Continuation of Armed Forces Special Powers Act in Manipur

श्री शरद यादव (बिहार) : महोदय, मणिपुर में, नॉर्थ ईस्ट में "AFSPA" नाम का कानून एक साल के लिए फिर बढ़ाया गया है । नॉर्थ ईस्ट के लोगों के साथ सारे देश में जिस तरह से व्यवहार होता है और हम सारे लोग वहां जाते हैं और कई तरह की फैंसी ड्रेस पहन करके वहां लोग जाते हैं । कई तरह की ड्रेस पहन करके हम लोग वहां जाते हैं । प्राइम मिनिस्टर जाते हैं, और जाते हैं, एक नहीं सारे लोग जाते हैं । आप यह बताइए कि वहां की महिलाओं ने निर्वस्त्र होकर के इस कानून के खिलाफ डिमांस्ट्रेशन किया । यह जो शर्मिला है, इसको भूख हड़ताल करते हुए दस वर्ष हो गए । इस देश में इतनी लम्बी भूख हड़ताल करने के बाद उसको नहीं रोका गया । तेलंगाना के लिए एक भूख हड़ताल हुई, तो आपने तेलंगाना बना दिया । क्या वह देश का हिस्सा नहीं है? इस तरह की बात वहां क्यों हो रही है? आखिर यह क्या है? आप इसको जितना वहां लागू कर रहे हैं, उतना ही नॉर्थ ईस्ट में चीजें बढ़ रही हैं, क्योंकि उनके मन में उनको यह महसूस होता है कि उनके साथ भेदभाव होता है । वहां के लोग बहुत ही भले और सज्जन लोग हैं । हमारी पार्टी ने वहां बहुत दिनों तक काम किया है । मैं आपके माध्यम से यह निवेदन करना चाहता हूँ कि यह जो AFSPA है, इसको आप क्यों बढ़ा रहे हैं और यह देश इस लड़की शर्मिला की कितने दिन तक उपेक्षा करेगा? यह देश हर तरह से एक रहेगा या नहीं रहेगा? दिल्ली, जो देश का मुख्य हिस्सा है, उसकी जिम्मेदारी है कि वह इस तरह से लोगों की भावनाओं को तोड़ने का काम न करे । आप बताइए, हिंदुस्तान में कभी महिलाओं ने निर्वस्त्र होकर डेमोनस्ट्रेशन किया है? वे महिलाएं कितनी पीड़ित और कितनी दुखी होंगी? इस लड़की शर्मिला को मांग करते हुए कितने दिन हो गए हैं ? दस साल से जेल में है । जेल से निकलती है, फिर जेल जाती है । यह कैसा कानून है और यह बढ़ता जा रहा है । इस कानून को लेकर आप न किसी अदालत में जा सकते हो, न किसी जगह जा सकते हो, वहां यह तानाशाही लगाकर आपने रखी है । यह ठीक बात नहीं है । सरकार से मेरा निवेदन है कि इस मामले में नॉर्थ ईस्ट में जितनी जगह यह लगा हुआ है, वहां से लोगों को बुलाकर उनसे बात करनी चाहिए और खासकर के शर्मिला को, जो इतने दिन से दुखी और पीड़ित है, जवान लड़की है, उसकी कोई सुनने वाला नहीं है, उससे बात करनी चाहिए । आप दस दिन की भूख-हड़ताल पर चले जाने से तेलंगाना दे देते हैं और इस लड़की को दस-बारह साल हो गए, कोई सुनने को, देखने को तैयार नहीं ।

श्री उपसभापति : ठीक है, टाइम हो गया ।

SHRIMATI WANSUK SYIEM (Meghalaya): Sir, I associate myself with the mention made by the hon. Member.

श्री अरविन्द कुमार सिंह (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं इस विषय से संबद्ध करता हूँ ।

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार): सर, मैं भी इस विषय से संबद्ध करता हूँ ।

श्री आलोक तिवारी (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी इस विषय से संबद्ध करता हूँ ।

श्री पी. एल. पुनिया (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी इस विषय से संबद्ध करता हूँ ।

श्रीमती रजनी पाटिल (महाराष्ट्र)ः महोदय, मैं भी इस विषय से संबद्ध करती हूँ ।

श्री किरनमय नन्दा (उत्तर प्रदेश)ः महोदय, मैं भी इस विषय से संबद्ध करता हूँ ।

DR. M.S. GILL (Punjab): Sir, I associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU (Telangana): Sir, I associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRI V. HANUMANTHA RAO (Telangana): Sir, I associate myself with the mention made by the hon. Member.

DR. K. KESHAVA RAO (Andhra Pradesh): Sir, I associate myself with the mention made by the hon. Member.

SOME HON. MEMBERS: Sir, we want to associate ourselves with the mention made by the hon. Member.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All the names of the hon. Members, who are associating themselves with the mention, may be added.

श्री के. सी. त्यागी (बिहार)ः महोदय, कश्मीर में 80 प्रतिशत मतदान हुआ है । ...**(व्यवधान)**... उधर से लेकर सभी पार्टी के नेता मानते हैं कि माइनस टेम्परेचर के बाद भी इतना मतदान हुआ है । इसलिए इसे कश्मीर से भी हटाया जाना चाहिए । ...**(व्यवधान)**...

Revival of two sick production units of M/s INCAB Ltd.

डा. सी. पी. ठाकुर (बिहार)ः उपसभापति महोदय, झारखंड में जमशेदपुर शहर में एक बहुत ही रेप्युटेड इलेक्ट्रिक केबल बनाने वाली कंपनी सिक हो गई है और सिक होने से उसके हजारों एम्पलाइज़, उनके बच्चे, उनके घर वाले सभी परेशान और बीमार हैं । सभी लोग चाहते हैं और गवर्नमेंट के यहां उसके रिजुविनेशन के लिए दरखास्त दी गई है । उस पर सात-आठ साल से अभी तक कुछ भी नहीं हुआ है । उसका जो मालिक है, वह अब तैयार हो गया है कि अगर हमें टाटा कंपनी सही रूप में बिजली दे, तो हम इसको फिर से चलाएंगे । इसलिए मेरा गवर्नमेंट से निवेदन है कि जो उस कंपनी के एम्पलाइज़ हैं, उन सबके परिवार ठीक से चल सकें, इसके लिए इस कंपनी को रिजुविनेट करे ।

Steep fall in prices of Rubber

SHRI C. P. NARAYANAN (Kerala): Sir, I want to bring this issue to the notice of the House and the Government. Millions of rubber farmers in India, particularly Kerala, Tripura and other States, are in dire straits. The price of rubber, over a few years, has come down from ₹240 per kg to ₹100 per kg. Annual production of rubber is about nine lakh tonne and the loss to farmers every year is of about